Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J — 6005

PAPER — III

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN & PEACE STUDIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **48** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN & PEACE STUDIES

बौद्ध, जैन, गांधीवादी और शान्ति अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein and according to their major specialization/elective only.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार अपने विशेशेषा प्रमुख विषय के अनुसार देना है ।

BUDDHIST STUDIES

बौद्ध अध्ययन

SECTION - I

खंड–I

NOTE : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks. **(5 x 5 = 25 Marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है। **(5 x 5 = 25 Marks)**

NOTE : ***Read the following passage and answer the undernoted 5 questions each in 30 words :***

Buddhist Ethics include abstinences from cruelty, theft, falsehood, misconduct and drinking wine, liquor as well as taking intoxicants __ these are regarded by the lay persons the fivefold Morality. These five items are also known as five moral instructions there are ten objectives, viz.1. welfare of the sangha, 2. convenience of the Sangha, 3. ill treatment towards evil persons, 4. wander with pleasure of the morally sound Buddhist monks, 5. restraint in defilements, 6. increase of more faith among the faithful persons, 7. encouragement of the unfaithful to be faithful, 8. getting rid of evil inclinations in the future birth, 9. sustenance of Good Law, 10. observance of the disciplines. For the accomplishment of these ten advices the rules of the Prātimoksa have been promulgated. In Buddhism Morality is called good conduct. The observance of Morality is compulsory for every Buddhist. Through Morality mind, speech, and body become right. The ultimate objective of life according to Buddhism is the attainment of Nirvāna or cessation of consciousness. In order to attain the Nirvāna eightfold way should be followed, namely, Right View, Right Thought, Right Speech, Right Deed, Right Livelihood, Right Effort, Right Mindfulness, Right Concentration.

नोट : निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए पाँच प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

बौद्ध आचार संहिता में हिंसा, असत्य भाषण, मिथ्याचार तथा सुरा, मेरय मद्य आदि नशीली चीजों से विरत रहना – ये उपासकों के पंचशील माने गये हैं। इन्हीं को पंच शिक्षापद भी कहा गया है। पंच शिक्षपदों की पृष्ठभूमि में दस उद्देश्य निहित हैं। 1. संघ की भलाई 2. संघ की सुविधा, 3. दुष्ट व्यक्तियों का निग्रह, 4. शीलवान, भिक्षुओं का सुख पूर्वक विहार 5. आश्रवों का संयमन, 6. श्रद्धावानों में अधिक श्रद्धा की जाग्रति, 7. अश्रद्धावानों में अधिक श्रद्धा सम्पन्नता, 8. भावी जन्मों के आश्रवों का प्रतिघात, 9. सद्धर्म की स्थिति, 10. विनय पर अनुग्रह। इन दस उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रातिमोक्ष के भी नियम बनाये गये हैं। बौद्ध धर्म में सदाचार को शील कहा जाता है। शील का पालन प्रत्येक बौद्धों के लिए आवश्यक है। शील से मन, वाणी और काया ठीक होते हैं। बौद्ध धर्म में जीवन का चरम लक्ष्य निर्वाण अथवा चेतना का बुझ जाना माना गये हैं। निर्वाण तक पहुँचने के लिए जो रास्ता बताया गया है, उसे आर्य अष्टांग मार्ग कहा गया है। इस अष्टांग मार्ग के सोपान निम्नलिखित हैं — सम्यगदृष्टि, सम्यक्संकल्प (भावशुद्धि), सम्यक्वचन, सम्यक्–कर्म (चरित्र), सम्यक्–अजीविका (जिविका–साधन), सम्यक् व्यायाम, सम्यक्–स्मृति (अप्रमाद), सम्यक्–समाधि।

JAINA STUDIES

जैन–धर्म अध्ययन

SECTION - I

खंड – I

NOTE : Read the passage below and answer the five questions in 30 words each given below :

Ahimsā is the principle that Jainism teach and strive to practice not only towards human beings but also towards all living beings (Nature). The scriptures tell us - "Do not injure, abuse, oppress, enslave, insult, torment, torture, or kill any living being including plant and vegetables". The teaching of Ahimsā refers not only to the avoidance physical acts of violence but also to the avoidance of violence in the hearts and minds of human beings. Ahimsā also refers to an active concern and compassion for fellow humans and other living beings. Ahimsa also has a deeper meaning in the context of one's spiritual advancement. Violence imposed upon others in any form by our body, mind or speech leads to the bondage of new karma, which hinders the soul's spiritual progress. In a positive sense, Ahimsa entails universal friendliness (Maitri), universal forgiveness (kshamā) and universal fearlessness (Abhaya).

नोट : निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए पाँच प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

जैनधर्म ने अहिंसा के उस सिद्धान्त की शिक्षा दी है, जो केवल मानव जीवन तक ही नहीं अपितु सभी जीवित प्राणियों की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। जैनधर्म के आगम ग्रन्थ कहते हैं कि — किसी भी जीवित प्राणी, पौधा अथवा वनस्पति को पीड़ा न पहुँचाएँ, अपशब्द न कहें, दबाएं नहीं, दास न बनाएँ, अपमानित न करें, शाशित न करें, दुखी न करें और न उसकी हत्या करें। अहिंसा की शिक्षा केवल शारीरिक दृष्टि से पीड़ा पहुँचाने तक सीमित नहीं है, अपितु मनुष्य के मन और हृदय को भी पीड़ा न देने को प्रेरित करती है। अहिंसा मानव और सभी जीवित प्राणियों के प्रति करुणा करने का संदेश देती है। अहिंसा का गहरा अर्थ मनुष्य के आध्यात्मिक विकास से भी सम्बन्धित है। दूसरे प्राणियों को शारीरिक, मानसिक और वाचिक रुप से पहुँचायी गयी हिंसा व्यक्ति के नये कर्मों का बंध करती है, जो उसके आध्यात्मिक विकास में बाधा पहुँचाते हैं। सकारात्मक दृष्टि से अहिंसा का अर्थ है विश्व मैत्री, विश्व के प्राणियों के प्रति क्षमाभाव और विश्व के प्राणियों के प्रति अभयप्रदान करने की भावना।

GANDHIAN & PEACE STUDIES

गाँधी एवं शांती अध्ययन

SECTION - I

खंड – I

NOTE : ***Carefully read the following passage and answer the questions arising out of it, given hereunder :***

Personally, I think the end of this giant war will be what happened in the fabled Mahabharata war. The Mahabharta has been aptly described by a Travancorean as the Permanent History of Man. What is described in that great epic is happening today before our very eyes. The warring nations are destroying themselves with such fury and ferocity that the end will be mutual exhaustion. The victor will share the fate that awaited the surviving Pandavas. The mighty warrior Arjuna was looted in broad daylight by a petty robber. And out of this holocaust must arise a new order for which the exploited millions of toilers have so long thirsted. The prayers of peace lovers cannot go in vain. Satyagraha is in itself an unmistakable mute prayer of an agonized soul.

नोट : नीचे का अंश ध्यान से पढ़कर उसके आधार पर दिये गये प्रश्नों के उत्तर दें।

व्यक्तिगत रूप से मैं समझता हूँ कि हमारे अन्दर जो महासमर चल रहा है वह महाभारत महाकाव्य का ही प्रतिरूप है। ट्रावनकोर के एक व्यक्ति के द्वारा महाभारत को मानव-इतिहास का शाश्वत रूप बताया है जो सही है। महाभारत महाकाव्य में वर्णित है वह आज हमारी आंखों के सामने उसका प्रवर्तन हो रही है। परस्पर युद्धरत राष्ट्र जिस निर्माण और विनाशक ढंग से एक दूसरे का प्रहार कर रहे हैं। लगता है जल्द ही वे थककर शान्त हो जायेंगे। विजेताओं की भी वह दुर्गती होगी जो महाभारत युद्ध के बाद पांडवों की हुई थी। प्रचंड वीर अर्जुन मिरीहावस्था में दिन दहाड़े डाकुओं के द्वारा लूटे गये। किन्तु इस महानाश के गर्भ से एक नयी व्यवस्था का जन्म होगा जिसके लिए करोड़ो शोषित जनता लम्बे समय से प्रतीक्षा कर रही है। शांति के प्रजा प्रजातीयों की प्रर्थना व्यर्थ नहीं जा सकती। सत्याग्रह दुखी आत्मा स्वयं एक मौन किन्तु अमोध प्रर्थना है।

1. Which is the Fivefold Moral Code for the laypersons ?

उपासकों के लिये पंचशील कौन से हैं ?

OR / अथवा

What Jaina Scripture tell us about Ahimsā ?

जैन आगम ग्रन्थ अंहिसा के सम्बन्ध में क्या कहते है ?

OR / अथवा

To which war Gandhi is refering in the above paragraph, when was it fought and who were the warring nations ?

उपर्युक्त अनुच्छेद में गाँधी ने किस युद्ध के विषय में चर्चा की है ? वह युद्ध किस काल में हुआ था उसके पक्ष एवं विपक्ष में कौन-कौन राष्ट्र थे।

2. Mention any 3 objectives of the Fivefold Moral Code.

पंचशील के किन्हीं तीन उद्देशों को बताइये।

OR / अथवा

What is the actual meaning of Ahimsā ?

अहिंसा का वास्तविक अर्थ क्या है ?

OR / अथवा

What in your opinion is the essence of the Mahabharata ?

आपकी राय में महाभारत की मूल समस्या क्या थी ?

3. What is Morality ? Which are corrected through the observation of Morality ?

'शील' क्या है ? शील-पालन से क्या-क्या ठीक होते है ?

OR / अथवा

What is the deeper meaning of Ahimsā ?

अहिंसा का गहरा अर्थ किससे सम्बन्धित है ?

OR / अथवा

Suggest the contemporary term used in peace studies for annihilation of mankind.

मानवता के सम्पूर्ण संहार के लिए समकालीन शांति अध्ययन में कौन सा शब्द प्रयुक्त होता है ?

4. What is the ultimate aim of human life according to Buddhism ?

बौद्ध धर्म में मनुष्य जीवन का चरम लक्ष्य क्या है ?

OR / अथवा

What is the effect of violence ?

हिंसा का क्या परिणाम होता ?

OR / अथवा

According to Gandhi 'Mahabharata was not a historical fact', do you agree, if so, why ?

महात्मा गाँधी के अनुसार महाभारत-कथा ऐतिहासिक तथ्य नहीं है ? क्या आप सहमत है ?

5. Which is the Noble Eightfold Path ?

आर्य अष्टांग मार्ग क्या है ?

OR / अथवा

What are the positive forms of Ahimsā ?

सकारात्मक अहिंसा का क्या रूप है ?

OR / अथवा

Do you think that the passage ends on a positive note, if yes, why ?

क्या आपको लगता है कि यह अनुच्छेद एक सकारात्मक संदेश देता है ? यदि हां तो क्यों ?

SECTION - II

खंड – II

NOTE : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 Marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

6. Write a short account on the life and activities of Gautama Buddha.

गौतम बुद्ध के जीवन एवं कार्यों पर संक्षिप्त विवरण लिखिए।

OR / अथवा

What were the occupations which were thought by Lord Ṛṣabha ?

भगवान ऋषभदेव ने किन शिल्पों की शिक्षा दी थी ?

OR / अथवा

Enumerate the eleven Ashram vows Gandhi laid down for the ashram inmates.

गाँधी द्वारा आश्रमवासियों के लिये बताये गये एकादश वृतों के नाम बताइये।

7. What were the causes that led to the origin of Buddhism in Northern India ? Discuss.

उत्तरी भारत में बौद्ध धर्म के उद्‌भव को लाने कौन-से कारण थे ? चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

What was the Cāturyama Dharm of Lord Pārs'vanatha

पार्श्वनाथ का 'चतुर्याम' धर्म क्या था ?

OR / अथवा

Write a note on Gandhi's view of gender equality.

गाँधीजी के स्त्री-पुरुष समानता के विचार को समझाइये।

8. Discuss, in brief, the concept of Nirvāna.

संक्षेप में 'निर्वाण' की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Write the names of mother and father of Lord Mahavira.

भगवान् महावीर के माता-पिता के नाम लिखिए।

OR / अथवा

What does the 'Science for Peace' mean to you ?

'शांति के लिए विज्ञान' से आप क्या समझते हैं ?

9. Which are the main features of Gandhara Buddhist images ? Give a short description.

गांधार बौद्ध प्रतिमाओं की मुख्य विशेषताएं क्या है ? संक्षिप्त विवरण दीजिए।

OR / अथवा

Write on the main Jaina councils.

प्रमुख जैन आगम वाचनाओं पर लिखिए।

OR / अथवा

"The objective of peace can be realised through war". Explain.

"शांति की प्राप्ति युद्ध से संभव है"। इस पर अपनी टिप्पणी दें।

10. Write a note on the Pali Pā timokkha-Sutta.

पालि 'पातिमोकख-सुत्त' पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Give brief account of the Ācārāngasutta.

आचारांगसूत्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

OR / अथवा

Explain the contribution of scientists to peace.

शांति के प्रति वैज्ञानिकों के अवदान को बतायें।

11. Interpret, in brief, the main teachings of Gautama Buddha in the modern context.

गौतम बुद्ध की प्रमुख शिक्षाओं की आधुनिक सन्दर्भ में संक्षेप में मूल्यांकन कीजिये।

OR / अथवा

Write the names of the main works of Ācāryakundakunda.

आचार्य कुन्दकुन्द के प्रमुख ग्रन्थों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

'Technology and Ecology are incompatible'. Comment.

"प्रौद्योगिकी और पर्यावरण दोनों अंतरविरोधी है"। विवेचना करें।

12. Write a note on Zen Buddhist School.

जैन बौद्ध सम्प्रदाय पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

What is the meaning of Non-attachment (Aparigraha) ?

अपरिग्रह का अर्थ क्या है ?

OR / अथवा

"Politics without principles is a social sin". Discuss.

"सिद्धान्त विहीन राजनीति एक सामाजिक अभिशाप है"। बताइये।

13. Nirodham to Nibbānam - explain briefly.

'निरोध ति निब्बानं' की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Explain the difference between Anuvratas and Mahavratas.

अणुव्रत और महाव्रत के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

What is you view on India's stand on CTBT ?

समग्र परीक्षण विरोध समझौता के विषय में भारत की भूमिका बताइये ?

14. Write a note on the Sanchi Stupa.

सांची स्तूप पर एक टिप्पणी लिखिये।

OR / अथवा

Give a brief account of six substances.

छह द्रव्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

OR / अथवा

Write a note on Human Rights.

मानवाधिकार पर एक टिप्पणी लिखें।

15. Explain the Theory of Dependent Origination (Pratityasamutpāda - Naya).

'प्रतीत्यसमुत्पाद – वाद' की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

What is the meanings of Sambara and Nirjara fundamentals of Jainism.

जैनधर्म के संवर और निर्जरा तत्वों का अर्थ लिखिए।

OR / अथवा

What do you understand by universal comprehensive disarmament ?

आप सार्वभौम समग्र निशस्त्रीकरण से क्या समझतें हैं ।

16. Write a note on the impact of Buddhism on the society.

बौद्ध धर्म का समाज पर प्रभाव विषय पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Explain the Non-Absolutism (Anekāntavāda) in brief.

अनेकान्तवाद को संक्षेप में समझाइए।

OR / अथवा

Explain Gandhi's views on industrialization.

औद्योगिकीकरण के सम्बन्ध में गाँधी के विचारों का विवेचना करें।

17. Write a brief introduction to the Abhidhamma-Pitaka.

'अभिधम्म-पिटक' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

OR / अथवा

Write the names of five kinds of knowledge.

पाँच प्रकार के ज्ञानों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

'Technology beyond human control is dangerous'. Comment.

'मानव नियंत्रण से बाहर प्रौद्योगिकी खतरनाक होता है'। समीक्षा करें।

18. Clarify the position of women in Buddhism.

बौद्ध धर्म में नारी की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

The S'ravanabelagolā is mostly famous for great statute of Bāhubalī. Explain.

श्रवणबेलगोला बाहुबली के विशाल प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है, इस पर टिप्पणी करें।

OR / अथवा

'Fearlessness is the first step in Gandhi's nonviolence'. Comment.

गाँधीजी की अहिंसा के लिये अभय प्रथम चरण है। समीक्षा करें।

19. Write, in brief, a note on the Buddha Gaya (Mahābodhi) Temple.

बुद्ध गया (महाबोधि) मन्दिर पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

What is importance of Vegetarianism in Jainism, explain.

जैनधर्म में शाकाहार के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

Describe the major change you find in Gandhi's personal life during his stay in South Africa.

दक्षिण अफ्रीका के प्रवास से गाँधी के जीवन में गंभीर परिवर्तन की दिशा बतावें।

20. Mention the titles of the Nikāya-texts belonging to the Pali Sutta-Pitaka.

सुत्त-पिटक के निकायग्रन्थों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

Write a brief note on Jaina Temples of Mount Abu.

माउन्ट आबू के जैन मंदिरों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Write about Gandhi's reaction to the Cripps offer.

क्रिप्स मिशन के विषय में गाँधी की प्रतिक्रिया के विषय में लिखें।

SECTION - III
खंड – III

NOTE : This section contains fives (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to answered in about 200 words. **(12 x 5 = 60 Marks)**

नोट : इस खंड में बारह (12) अंको के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ 200 शब्दों में अपेक्षित है। **(12 x 5 = 60 Marks)**

21. Write a brief note on Samādhi.

'समाधि' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Throw light on the subject-matter of the Tattvārthasūtra of Umāswāti ?

उमास्वाति के तत्वार्थ सूत्र की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Write your views on 'Hind Swaraj' as a menifesto for Gandhian Revolution.

गाँधीवाद क्रांति के घोषणापथ के रूप में "हिन्द स्वराज्य" के विषय में अपने विचार लिखें।

22. Write a note on the Buddhist concept of Prajñā.

बौद्ध 'प्रज्ञा' का स्वरूप पर एक टिप्पणी लिखिये।

OR / अथवा

Give an introduction of the Prakrit Āgama literature.

प्राकृत आगम साहित्य का परिचय दीजिए।

OR / अथवा

Discuss the relevance of Satyagraha in democratic society.

प्रजातांत्रिक समाज में सत्याग्रह की प्रासंगिकता को उजागर करें।

23. Give a brief account of the works of Ācārya Dharmakīrti.

आचार्य धर्मकीर्ति के रचनाओं का संक्षिप्त विवरण दीजिये।

OR / अथवा

Throw light on the five vows according to Jainism.

जैनधर्म के अनुसार पाँच व्रतों पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Express your views on Gandhi as a Secularist.

गाँधी की धर्म निरपेक्षता के विषय में टिप्पणी करें।

24. Write a note on the origin of the Buddha-image.

बुद्ध-प्रतिमा के उद्‌भव पर एक टिप्पणी लिखिये।

OR / अथवा

Give an introduction of Digambara and Swetambara schools of Jainism.

जैन धर्म के दिगम्बर और श्वेताम्बर सम्प्रदायों का परिचय दीजिए।

OR / अथवा

Write a note on Prohibition.

मद्य निषेध पर एक टिप्पणी लिखें।

25. "The Varna-System of Brahmanism did not find favour in the religious scheme of

Gautama Buddha".-Discuss.

"गौतम बुद्ध की धार्मिक योजना के अन्तर्गत ब्राह्मणवाद की वर्ण व्यवस्था को अनुकूलन नहीं माना गया"। चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Explain the main path of liberation according to Jainism.

जैनधर्म के अनुसार मोक्ष के प्रमुख मार्ग की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Describe the measures Gandhi took to deal with social discrimination.

सामाजिक भेदभाव को दूर करने के लिए गाँधी के प्रयासों के विषय में लिखें।

SECTION - IV

खंड – IV

NOTE : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks. **(40 × 1 = 40)**

नोट : इस खंड में चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में आपेक्षित है। **(40 × 1 = 40)**

26. Write an essay on the status of women in Buddhism.

बौद्ध धर्म में नारी की स्थिति पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on the introduction of Buddhism to Japan.

जापान में बौद्ध धर्म के प्रवेश पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on the contribution of Jainism to Indian culture.

भारतीय संस्कृति को जैनधर्म के योगदान पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Describe the principles of Non-Violence and Non-Absolutism of Jainism.

जैन धर्म के अहिंसा और अनेकान्तवाद सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Discuss the relationship between Ends and Means.

साध्य-साधन सम्बन्ध की विवेचना करें।

OR / अथवा

Discuss the concept of "Culture for Peace".

शांति की संस्कृति की अवधारणा की विवेचना करें।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....